श्रीगणेशायनमः॥ श्रीभगवतीदुर्गादेवै॥
नमः॥ अथालिष्यतेउत्तमचरित्रः॥ दोहा॥
उत्तमपदगुरनाथकेउत्तमगुरउपदेस॥ उत्तमचरि
तभवानकेउत्तमसुरथनरेस॥१॥ सुरथनामराजा
भयेकवरलधर्मानिधान॥ देसनगरकुलजनप्रजा

पालहपुत्रसमान॥२॥राजन्नारमंत्रनाहियोंक्ता
पकौंसुषमोर॥कौनितविसुनासिकारकोकोनि
तवामार्विनोर॥३॥तवसत्रनवेह्हारसुनिज्ञानों
नृपतश्चचेत॥इसमारघरौनगरसवपरवारसम
त॥४॥राजामंत्रनवलरहैमत्रनाकियाविस्वास॥
ज्ञापमिलेसकसवकहनृपतन्गेवनवास॥५॥

बनमेंराखाविसराहीकरकोसबकीसुध॥ अपनें
तनकूंषपषपलाहिपरीमोहवसमुध॥६॥तौलोंहैषौ
ब्रघईकरोवततअकुलतगात॥कोहैतैराषतकहानृ
पपूछीसहवात॥७॥सुनवहब्रघजवायहियमेरो
नामसमाध॥वैसजातवहुधनकुटमनपायोवुठा
पेंप्राघ॥८॥ वृघजानात्रिपसुतनामिरत हौत्तोमो

हानिकार॥ मेंउनकोंरोवन्नाफिरतमकतेनेंमोहावि॥
सार॥९॥ राजाउवाच॥ जिनत्ताकोंवहुदूषादियाहि
सावुझापंकर८॥ तिनकोंतेंरोवतकहांमोहावियेहै
मनवार॥१०॥ वैसौवाच॥ उनमोकोंवहुदूषादिमों
मेरोमनउनमार॥ मोहनेंछूटेराजसुनमनमेरोव
मनार॥११॥ सुनराजातितहांसंगस्नेंगएमेधारिषपा
स॥ रिषिपूछीतुमकोंनहोवक्रत्ताफिरतउदास॥१२॥

राजउवाच॥ हमराजा यहवैसतैं नृातनाहियानेका
र॥ हमउनकोंरोवतफिरतसकतेंनेंमोहाविसार॥१३
मोहफासयहहैकहाकोवैठोघटमाहि॥ यहकारनक
हियेगुरसमजपरतकछूनाहि॥१४॥ रिषिउवाच॥ तो
मरछंद॥ सुनराजराजप्रवीन॥ मनसक्तकेआधीन॥
श्रीआदसक्तभगवान॥ जोसक्तातिनतेंजान॥ विद्यास
विद्यानाम॥ तिनकौहृदैयापरनाम॥ विद्यासोगपानस

रूप॥ मोहैसाविहुन्नरूप॥१६॥ जगहैसोविहुसोध
परिमोह्यंसनिधंध॥ घराजनमामिथ्यागात॥ मिट
जालषालकमात॥१७॥ तेम्नजतसार्त्मवान॥ का
नकानपहचान॥ तिनकातविहुगुक्ते॥ मुनासिध
जीवनमुक्त॥१८॥ दोहा॥ कानेवंह्नमुक्तकोज्ञ॥
ह्नवांनाजान॥ सकलासिधज्ञानंह्कारमवलाय
कजगान॥१९॥ तोटकछंद॥ सुनराजकरीविन

तीतवही॥ सुनगाथसुनीसमओझवही॥ कहियेसो
ऊपाकरहाविमोको॥ कितनेउपजैकितेइहवसे॥२०
रिवउवाच॥ मुरिलधंर॥ नितानंहसरूपसर्वमपजा
निये॥ उपजतविनसतनाहिनाहवयानिये॥ हे
मनसंकारपरतप्रगटजवहोतुहै॥ परलाझवगतसुनरा
जसनाथनजोतुहे॥ २१॥ दोहा॥ प्रलयसमपजव
क्षियमेंसोवततेहाझाप॥ आपकालनकीहेलमोने

स्तरूपप्रताप॥२२॥सोवतहरिकोनान्नेतंनयोब्रम्हस्नु
वतार॥मधकैटन्तनपेश्रुतनतेंनयेक्रमुएविफार॥२३
तवसंकेतनहयावेधहरसोवतजलमाहि॥कौंपेजागेज
गतपतस्यौरसहांयकनाह॥२४॥यहविचारमनच्या
नधरप्पानानिरंतरसेव॥आत्ततकाजगमातकीप्र
प्रेरकसकाविसेव॥२५॥जबेक्रपाकरईस्वुरीसकलई
सहयेंच॥तबैनग्रसोवतसवमनवचबुधबलसंव॥।
२६॥जवहरिसांउनयरनसोजुधभयोवरजोर॥पंच्य॰

सहसवर्षेंजनीघटेनहीकलघोर॥२७॥नवश्रसुनकोह
ईसुर्पिगरकिशोनिहिठोर॥तिनहींकौमुषयाकैछलक
हीश्रोरकोश्रोर॥२८॥श्रवलगितुममारोहमेंघुरजंघ
नपरसीस॥सुनतलुतलागिचक्रसोंगिरकोटजगदीस॥
२९॥इतिविघाविघाबिनोदकहसंकटदीवीसहाय॥श्र
वसुनन्नृपईद्वाहिरिहितज्यौप्रगटीजगमाय॥३०॥छंद
रुंडका॥चाढीमाहियासुरपूर्वडवलघंतमहांजाकोषा
कसुनकोंविघातोघकपकौहै॥ढाहेगिरकोटनिवठ

लागेगिरसीगगनसोंधूहतबुरानघरासससकपकाहे
सातोंदीपदपटसमुद्रहचालकरैसर्वसासितारिन
कौकोपलकपकोहै॥ ओछ्रस्मनंनजाहक्कावतसु
नतकानदेवनसहितनागाईद्र्यकवकोहै॥३१॥सोरठा
नागईद्रततकालगयोनदेवनकेनिकट॥कहेतहां
सबहालछांवभयोतिनकेहिये॥३२॥दोहा॥तबस
बदेवनसंगतकठासमहाअहराय॥तेजपुंजप्रज्वलित
तजातरहीकायाछितछाय॥३३॥छंदमोतीदाम॥

तेवैसवदेवनअस्तुतकीन्ह॥ दिग्गजाकारहेविहमेंलय
हीन॥ सहोतवरतुसतेजअनंत॥ रूपाकारहेजियमूर
तवंत॥ ३४॥ ईतीसुनकेतजतेजपुंजोर॥ नर्हमृदमरालवं
साकिसोर॥ चोन्नुजआभूखलो वनचार॥ कोसुरपैतव
प्रेमअपार॥ ३५॥ मुरारीद्दसोकारचक्रावीचित्र॥ वीरंच
कमंडलदोहपवित्र॥ त्रसूलाद्दिपोरसिवसकारआप॥
सुरसाद्दियोनिजवज्रप्रताप॥ ३६॥ दईसतध्याकारमेंदल
सोयगोद्दियोनिजकालकराल॥ दईजमफासविनासन

सत्र॥ इकिसेवकउवानलवानसोंम्यत्र॥३८॥ इकियेमननूषन
सिंघसोंउार॥ इकिएकमलारितवानासिगार॥ इकिमांवलवां
हनासिंघसोंहीन॥ न्रर्तीहिपरस्रसवारप्रवीन॥३९॥ जु
केकेउत्तलिमहहधासुरस्राव॥ घद्दरतहवनसंगारचाव॥ त
वैसवहवनस्रापपछुल॥ जुकीस्रारगंजनस्रापस्रकेरन
४०॥ इकित्तोहलवांननहोल्उआस॥ इकित्तोहलवकज्ञनगं
जउहास॥ इकित्तोदलसूलनहूलनमांर॥ इकित्तोहलच

ऊनषंडसघांर॥४१॥ कितौद्दलषर्गनसौपुनषंड॥ कि
तौद्दलसौंथिनमांरविहंड॥ हनौसगरौद्दलसंगरषेल॥ र
हौमहिषासुरज्ञापश्चकेरत॥४२॥ दंडकछंद॥ कबहुंक
माहिकाहौकोंसिंगनचलोवागिरकबहूंफैंब्रषज्ञहोकेंडारफेनोंक
रतहै॥ कबहुकगासंद्दहोकेंधारागरनगाजकेंरकबहुंकौसिंघसे
कोसिंघसोंलरतुहै॥ कबहुंकौविलारहोंकेंलुकतजुकतपि
रतच्यछुरज्ञनंनसन्नेषकेतत्तकघरतुहै॥ जोरईफूंसकारत

ह्वीसोईपलरज्ञातरूपकोसहहनेमहिषासुरकोसमेंपर नुहै ॥४३॥ दोहा ॥ तवअंबाआतिकोपकरउतरसिंघते आप ॥ हियोपांवआगीवपरकोंकरसैहप्रताप ॥४४॥ ग्रीवहुवधिवानतरेंछातीहनोत्रसल्ल महिषासुरमो रोप्रवलसवअसुरनकोमूल ॥४५॥ सवैय्या मारमहा महिषासुरकोरनमेंगरजीइललगंजनरानी ॥ विल्लोवि रोविमतेसतसुरसकरीवहुस्तुतवेदप्रमानी ॥ देसवकोवर दानअनेकअंतरध्यानी ॥ फूलेसवे

सुराजकोंसोभ्भेजेंभ्भयभ्भंजननामभ्भबांनी ॥४६॥ दोहा
इहिविधसोंश्रीभ्भगवतीतिनोंमहिषघोदेह ॥ भ्भवपुन
संन्मानिसुंभ्भप्रतकथानृपतसुनलेहु ॥४७॥ छप्पयघोरो व
ठनृपसुजानिसुभ्भाणय ॥ दितसुतभ्भादितसुतसबभ्भास ॥
नृपसुंभ्भछत्रपतवेभजेठ ॥ तिनतानिसुंभ्भलघुंवधेले ८
दूतवंधपमरसंमुथदुसील ॥ सुंमेरसमानप्रलवडील
भ्भतमायाल्नीवलसुघभ्भुध ॥ दसदसहजारभ्भुजघरात
जुध ॥४८॥ तिनजुघजुरतसंमुपकोन ॥ पारदूंपतज

लच्छ अग्रयोंन घरघ चकपोंहोंम पाताल जाय ॥ सोस
नैहैत परवत उडाय ॥ ५० ॥ ऐसे प्रचंड जुध्र राजगान्ये ॥ सुर
असुर चारणो सेवत सो सर्व ॥ तिनके अगु आनन रक्तो विं
द्र ॥ गजको टप्रलय स्लतारईद्र ॥ ५१ ॥ स्लपत्न घूंम्र
लोचन काल ॥ जिहि हृय कपहि जम प्रेतकाल ॥ पुन
चंड मुंड जोधा प्रचंड ॥ विकराल रूप स्लवलअषंड ॥ ५२ ॥
स्लन अनुज हुसुंमें हुधुद्र ॥ रजत समस्त ज्ञनु काल रु
द्र ॥ ईमसुन्मानिसुंन्न नरेस वढ ॥ सनमुष्व आहे नाहिस अठ

॥५३॥

ढ॥ बहुंबारविल्लहारोलजुधसवसुसलायधाकारनक्रुध॥वि
धकोसोलसलीन्हो छुआए॥ झूगपालवंदकीन्हेंरिसाय॥५४
नंआरलुहलीन्हेंकुवेर॥ स्थानाछीलीन्हेंसुमेर॥लिपम
हकारणहयरतनाजेत॥ सिंगारहकाप्तालियातनाचेत॥
५५॥ आपनेंकारसूजेचंद्रथाप॥ थपलोकऊथालेप्रताप
यमकालमृतकुलवंदकीन॥ थपआपसेसासिरमारि
न॥५६॥ कुलसहतइंद्रहीन्हेंनिकार॥ लीयेपेरापतहय
अघृनार॥ कीपइंद्रलोकराजधानराजे॥ सुयनहसैटड

राजतसमाजे ॥ महानाराच छंद ॥ समाजेदेवराजसं
विराजहीसमस्तदेवराजसेवसर्वहीविराजसर्नेनकवै
त्रलोकसप्तदीपनोऽसंधंउमंडलंमहाप्रमोऽपेक्षसर्वदे
कोऽनंतजानपावचायदेषसेनचक्रवे ॥ ५८ ॥ न्ती
विसेषपेक्षभूपसेनछत्रसेऽनकभूपदेवसर्वराजसुंभ
चक्रवे ॥ विरंचविस्नोजितकुंपवापकेप्रसारन्मोप्रमा
देसर्वसंभवानिसुंभसुंभचक्रवे ॥ ५९ ॥ चंचलाछंद
चक्रवैनिसुंभसुंभसन्नवमहाप्रमोऽनराजियोसमस्त

देखलोकलोकन्मोविचार॥ ६०॥ सोककोधरेचावि
त्नसोचकेकिणविचार॥ सर्वपेजघाजाहसहाये
कोपुकार॥ ६१॥ कुंडलिया॥ इहिविधविधविन्नार
सुनकरमततुरतविचार॥ हेमाचलगिरपगपानिजस्त्र
स्थाननिहार॥ निजस्थाननिहारजगमालाजह
राजह॥ गौरपार्वतीनामपरमअद्भुतछबछाजह॥
लैठिकानसुरसकलविकलवरनोंगतकिहिविध॥ क

९

।सुनामजुपानविनयकारणाकाते इहिविधि ॥ ६२ ॥
सर्वदेसकाछंद ॥ जातरूपजोतारूपसहजारूपासिधारूप
गुनरूपग्यानरूपसोन्यारूपमुहीहै ॥ विहाररूपाक्रियारूप
इछ्यारूपमायारूपविस्तारूपवलारूपवानीरूपमुहीहै ॥
आसरूपप्यासरूपानिद्रारूपधुधारूपाचिंतारूपवुधरूप
चेतनारूपजुहीहै ॥ नानारूपव्यापकस्वरूपसहजासवसहजा
पजसमेरूपघाजजगमातापरपतुहीहै ॥ ६३ ॥ छपय

तुंहिसबकोआधारजगमाताअसअंजन ॥ निराधार
सुपलकालविकलतुंप्रसारनानिरंजन ॥ दीन्हेंअरनानेका
रहाकोइखातनेंपुंअह ॥ तुंअआसरालियेंअआपेमा
प्राविनठोरनेंसुअह ॥ अवतवजयकपआसातुहींअ
हमघअंतहिंअनन ॥ आवतलछ्यानिरछलसोर
छ्याछसमृयजनन ॥ ६४ ॥ एकछंद ॥ संमृयजननअस
अजननवानीरानीमहांअप्रअीतहमेंअअपतांनेवा

रले॥ गुनिबनवाजनीगरीबसीसिरराखेनेआनकेगरीब
नानिवाजसाविचारले॥ आछ्छ्रआनन्मन्नेनेकरूनानिध
नधानकरूनासुजानहीनहेयतनेतारले॥ मारतानेसुन्न
सुन्नसगरासहारतेहेआरतानिहारहेवाअंबकेउबारले॥
८५॥ सवैया॥ ज्योमधुकेरुन्नकोवधुकेविधाराबारलिये
अपनेकाफेजन॥ ज्योमहिषासुरकोहतकेसुरपालस
वेसुषदेदुषगंजन॥ ऐसपुकारतआरतद्रुपदहमेमारतसुन्न
निसुन्नलोबांजन॥ ईनाविरदहिआकारघेऔबासहेमं८

क्षालेंन्नयन्नंजन॥ दोहा॥ ईमदेषनस्तुतकरीहानयउरानन
हास्त॥ तोलोंनिकसीपार्वतीमंजनकोंतीहिकाल॥६७
देषसुरनश्रीपार्वतीवचनकहेमुषपेन॥ कोहिकीस्तुतक
रतहौकहोंमोपेसबवेन॥६८॥ उलीकहतश्रीगौरमुषानि
कसीसकलअनूप॥ तानिकसतश्रीगौरकोहोगसोस्याम
सरूप॥६९॥ देषगौरबाउलीभईअजबअंबकामर्म॥ ज्यापु
हिपोउनगौकोंजानसुरनकोमर्म॥७०॥ इसुरीवाचसो
रठा॥ असुरनडरकेगौर॥ मेरीस्तुतिकरतसुर॥ तीहिका

नहनगोर॥ स्वयंसिधप्रगटीसोमम॥७१॥ छपए॥ स्वयंसि॰ धअस्वतारस्वयंसोन्नातनसोमिति॥ स्वयंजोतअआकारस्व॰ यंविहारगुणाधावन॥ स्वयंसत्तासंयुगस्वयंअओराचेयप्रवर्त॰ न॥ स्वयंस्वोनसंपंनस्वयंअत्तकर्मानिवर्तन॥ चउस्वयंसि धनिजासिहपरब्रंम्हादिकसंकटहरण॥ रुपप्रगटअवकार॰ पजवसोस्वयंसिधसंम्रथजनन॥ सोरठा॥ संम्रथजनन॰ अघारश्री नवानन्वयअंजनी॥ कानअसुरसंहारप्रग टअवकारूपहूप॥७२॥ छदअकुटगत॥ हूपप्रगटअस्र॰

वकारूपजेहितगृष्टासिंधोहिविवनसुहितअखमसखप्रनमा।
सुहितअमृतअद्भुतकोप ॥ निजधर्मजोतप्रभावपूरतसु
क्षेतानंतमूलमूरतकोटचंद्रसोघटदसूरतसोथकासप्रभा
व ॥ ईमश्रीजिनवानीस्वयंरूपहंसमतअमरमुनगानपेमस
रसतनेंननीरप्रभावविवरसतसरसउरअनुराग ॥ कियप्र
नयकोटईश्वर्यपायनकोरतस्तुतिविविधगायनधायनघ
राजिमकोसपावनलाग ॥ १४ मृदुलगतिछंद ॥ पायनलाग
रहेईहिविधवनतसपुंजपूजतमनकामना ॥ श्रीजिननी

चाहततमत्तकातिनपरयेसेवेनुक्तामुक्तमनन्त्रावनो॥कौ
त्तनिसान्तयत्रतिजानानिर्न्नपराहौममराजराजतनात
लको॥तुमाहितकोपउमंउमेआनिथंउत्त्कनसुरसमत्त
मत्तसुरसालको॥७५॥प्रयागछंद॥ईमजननवच
नवषानिये॥सुनसुरनजीवनजानियो॥करप्रेमपरम
प्रमोद्रसो॥निर्ल्लपत्तयसवक्रोधसो॥सोरठा॥तवसे
मुष्पजगमाय॥त्रमराछिपायकेहरा॥त्रापनसमर
उपाय॥रततनासिघराजीजनन॥७६॥दोहा॥रतन

सिधराजीजननधारमातिमअहमुलरूप॥ नीवदईसंग्रामकीजासुनमोहेमूप॥ ७७॥ हंसगतछंद॥ तहमा
पेवहुश्रसुरसमूह॥ उतसुरनकातेरनवूह॥ त्तौसिव
हासीजगमाय॥ जगमगजोतज्वालछविछाय॥ ७८
गीतकाछंद॥ दिव्यसिंहासनाविराजतदिव्यमूरत्तवा
लका॥ दिव्यभूषनवसनसुंदरादिव्यजोतत्रपालका॥
दिव्यमानकमुकटजगमगादिव्यमनताटंकहे॥ दिव्य
नेनविसालअलामिलादिव्यभृकुटीवंकहे॥ ७९॥ दि

न

भालनालालिलाटसोहैहिय्यमुक्तानासका॥ हिय्य
हारसोउरहिहैहिय्यजोतप्रभासका॥ हिय्यवौहीरा
बाहमांडितहिय्यकंकनकालसें॥ हिय्यमुद्रीकाअंग्रमु
षिकाहिय्यकिंकिनवारकसें॥ ८०॥ हिय्यपैजनपायघुं
घरहिय्यनूपुरकातिबनें॥ हिय्यरूपासिंगारनवसिखहिय्य
काछनूषनेषनें॥ हिय्यपोहोंचीनपानकुहकलीन
हीराउछारही॥ अंमलसतरूपसरूपहहीदृष्टषटोनपसार
ही॥ ८१॥ तोटकछंद॥ ईषतकंसहसुतजोतप्रतापी॥

वातकछुनाहिकेहसुकेपापी॥ चक्रतहोयमुरकसवसा
या॥ जायकेहोंनृपसोंतेनगाथा॥ सुनोनृपतहमाहिम
तिरपेषा॥ कन्याहेषन्नृमनसोविसेषा॥ ८२॥ प्रजाले
तासपश्रमरतपकरत॥ रूपाहेषायपश्रासुरनाकत॥ ताहे
बुलायनृपतनुमवरह॥ तापसकोफलनातेहिकहेहू॥ ८३
दोहा॥ सुनतरायसुषपायकरहूतन्मेजततकाल॥ गयो
पतितराजतजहांजगतजननवेहवाल॥ ८४॥ मुरिल
छंद॥ गजगतजननतनवासतनगिराजहो॥ कोट

चंद्रमा छुद्र परम छबि छाजही ॥ देष हूता चेत चक्रत सर
कत उर आपने ॥ फल्हा कारिय प्रनाम जोर पान निवाल अ
ताप ते ॥ ८५ ॥ मुरिल छंद ॥ सत प्रनाम भाषि तई जगवंदन
नषत्र षंडा षट्ट सुर वंदन ॥ चक्र प्रकम काम नृम मनुं रसौ
सुनत हूत काजो रत बुलो ॥ हूत उवाच ॥ सुनि पेसु नांहि नव
नुआन चांहि नहीं नृप सुत पठायो ॥ सुनत सुफगुण रूपा हि सुज
स आन पांहि नृपत मन अनि लायो ॥ चालिय उठ आपन
ह टत न तापस तापस को भूल लीजे ॥ सेवें सब पाई न लोय

छपुरार्इनारान्नपुरकोकीजे॥ ८७॥ सुनहूतवचनईतरतनउ
हिताचितजगतजननबोलियवयन॥ बोलातपासुनमम
मोरेनेमोसमचलोमआजजोकेवयन॥ मोगल्लुबठो
मातिकोपमोरमातिकोपछारत्रल्लुगनकरो॥ मोहे
जीतसकेरणाहोसकेतनमस्मोामर्हाहमिममातीहेवाले
८८॥ तोटकछंद॥ सुनहूतमहामनारोसबठो॥ जनरे
विकहामहूताहचेठा॥ नृपसुन्नानिसुनजन्मूलवली॥ स
सवहेवनकीजिनसेनहली॥ जिनकेउन्नागहूरालेरे

है॥ तिनसोंकिमतुअवलाल है॥ चलमानकहीसुनरा
करो॥ कतपावकपुंजपतंगजरो॥ ८९॥ मुरिल छंद॥ सु
नतजननअनगजतहूततट॥ ममतपासिनाकिमतजहो
आपहट॥ समरसुअंबररचहुलेमेंवहु॥ कारणसमरनृ
पअग्रजापकहु॥ ९०॥ दोहा॥ सुनतहूतआतुरगयो
कलौनृपतसोंजाय॥ जुध्यसुपंवरवहरचौंचलोसाजव
जाय॥ ९१॥ छंदपधरी॥ तवसुनतरायधुमृश्रबोल॥ दि
यपानहुकमपहवजाधोर॥ मोरियसमृथजोकरसहा

पा॥ गहेकेसाकेसेगरीहैपकारल्पाव॥ ६२॥ सारस्वतीछंद॥ सुनघुमृल्लोवनलोचरगानृपनाथकहासिनायकें॥ ले सहसद्दसहेंअंतसापोतोंचाहिमावलसायकें॥ सेंनासो तटवाठोकेचोठततनासिधरसांआपहौ॥ हासतिहांजगज ननकेसारूपपरमप्रतापहो॥ ६३॥ सोरठा॥ परमप्रताप अपार॥ श्रीजवानन्नयन्नंजनो॥ ह्यखसुरातीहिवार हौवक्रतचकुवापकें॥ मृदुलगतछंद॥ ह्यजननन्नूनवेन वातुपचक्रतनन॥ घोसुनकेरहलपाल॥ घोस्सोसेवाल करात॥ ६४॥ दोहा॥ तजोकहीनृपसन्नसोजुघःसुक्र

वरचार॥ होंगहकेसालेपचलतफहौकोझरतसहा
र॥६५॥ नाराचछंद॥ इतीसुनंतसंकरीक्रछकूझस्पास
लकरी॥ जरीसोरूपसारत्तो॥ छिनंकमाअछारत्तो॥ ६६
जंतधुंमूलोचनेंसमूत्तसेनघाईयो॥ महाकरालको
लसोकरालजुघछाईयो॥ अनंतआसत्रछंडअंसोट
मुंडजुघसधंके॥ सोहवीमातहफकेहूमारहीनतासिधे
कों॥ ६७॥ हकारपायासिंघलुताहिंगलाजमातको॥ परो
कारालफालसौविसालपंजफठको॥ नृसिंघतेप्रसिघ

जोरघोरवज्जाजिंललहींववःछकेंप्रकोपवाघवाढियोसो
झःसतो ॥ ९८ ॥ जनेंजानेंसाल्लिंनसेंनघुंमेंननकीप्रल
जथाप्रवाहुडिलहो ॥ बिहारठोरठोरकोरकोरकीन्लहो
समस्तारछिन्नछिल्लोल्लहो ॥ ९९ ॥ मनोरथछंद ॥ ल्लौ
ल्लीन्ल्लूल्लूहोप्रसेंनसर्वसेंनजातवेंनप्रपजनु ॥ म
ईमर्दकारगर्दगर्दारिपुकीन्लमर्दतनश्रोनसोमंजनु ॥ हर्ष
हर्षसुरवर्षपोहोपअरजर्षअर्घजोघारनरंजनु ॥ औन्नू
ममर्घूमअमरनगजनगर्ज्योगजगजनु ॥ १०० ॥ दोहा

गजगंजनदल्लभंजकोंजसकलरनोरिंघ॥मातङ्ग
ग्रगर्जतधवलप्रबलकेसरीसिंघ॥१०१॥रोलवछंद
प्रबलकेसरियसिंघसत्रुसधरगरजाइसु॥असुरलोगद
लघेरोरोरधिकोंरिहसनृपरायसु॥सुनततनृपतआतिको
पचउमुडाहिहियआयसु॥ल्पाविहअवलाहिप्रबलर
मारसिंघाहिधरआइसु॥१०२॥छपय॥राजहक्कमदर
लसाजगाजघापेगनदेआत॥करतसोरवरजोरघो
रगरजतमदमईआत॥आतकालविषारलालव

ऊनबलगोंसत ॥ लीन्हहान घारसारनकारनछेलतर
पर्वत ॥ कहंअछांसंनंमऊन तहलानीरषअमासेना
उरिय ॥ ईमिचंउमुंउंसबलौकारासो लौफलोकपलव
लपारिय ॥ १०३ ॥ तोमरछंद ॥ लोफलोकपलपलपारि
य ॥ जबचउमुउसेनाचलिय ॥ हंकहंकबंफटाबिफटसो
ईसानगर्जगिरवरानिकट ॥ तबजनननहानननेरषईतासिंह
सबोलविसेष ॥ तबकोपन्नृपुटचढाय बलकारनकाउ
पजाय ॥ उपजीतकालघाराज्ञश्रीजानतरासपसाल

१०४

तनस्यामतामसघोंन ॥ घनसघनकेसवघान ॥ नृ
त्यकुटिलजउवाल ऽ सतमूलघमूलकालिलार ॥ गि
रकेहारासमनोस ऽ तपवनपुंजप्रसास ॥ १०५ ॥ वाये
तवदन ऽ नंतागिरासिघाहतलसंत ॥ रसनां ऽ रून
ऽ तघोरहगा ऽ ग्रकुऽपुजोर ॥ ठठेसेरोंमसरीसना
सीसमुहगाली ॥ प्रज्वालितपाकप्रचंऽ ऽ संनवा
हनुजहूऽ ॥ १०६ ॥ कारफास ऽ सघनवांनपगाघरन

सिख्खसमान॥ ख्खतविफट्टयौंनुपगातगजघर्म
श्रोनबुबात॥ उरंउमुंडनमालडारगैनेनवतछाल
वल्लपूतपरख्खसवारकैपजननचारनेजुहार॥१०७
नाराचछंद॥ जुहारराजमानकोसमानकालकोक
ठौ॥ वढैप्रकोपमनलोलाचित्तावित्रच्यायो॥ षडोत
नूख्खकासलोंउकासहविपेनहीप्रकासलजुंजरोमरा
मरोसछायरो॥ चलेख्खननसन्नघालिनधारवकको
कहेख्खफातन्हतप्रेततापयो॥१०८॥ सोहिपसानव

ग

नेकोनेंज्ञानप्रानाकित्तेगगुर्जेंत्तासिंधज्ञोंसक्षेंफेसेवस्ती
ससापेगो॥ ससापेगेरैंज्ञातसर्वदेंयकालचेंडकेंप्रचा
चेडमुंडचेडज्ञानलींन्तेत्रासहीं॥ कुठारधर्गतोंमेंरत्र
सूलचक्रसापकोंरिसापकेंसमत्तेज्ञत्वसत्वधर्गे
ज्ञाजहीं॥ नेनेंज्ञननसपेंज्ञनंतेज्ञत्वफेंजेतेंचेले
तितिकलोललीनदेंसवक्रमेंविलासहीं॥ १०६॥ सर
मत्तोछजाछुरथ्यहाथेंज्ञानठापेंदेंछडापहींदेसान
पेक्रस्पासकोउसांससेसमस्तोमेनसासहीं॥ उसास

हीऽअंतअ्रासपासहीकेपंतहैतगन्नेसेंलरंलजुधकुध
मानकेंपहौ॥ जगन्नकोरगराजसीसोयाजसीलयानस्रौ
नवानदानमानकोंअभमानसेंनहाहनी॥ अनेअनम
अीमसत्ताअीमकर्मअौरअीतसेरयोगघिलतहैतपंतघ
र्गघारनी॥ ११०॥ प्रचंऽचंऽमुंऽकेसोहंऽमुंऽयंऽकेंअस
थंऽओनसत्रकोपिअन्नप्रतवाहनी॥ पिअन्नओन
सिंघसेंनसर्वकोप्रहारकेंऽकारसोवेकारसत्रमाल
का॥ विदारचंऽमुंऽवंऽगुण्यमारनकेंविसालउरच

मैयोछल्लोकालमातकालका॥ अनेंअनंअजेत॰
चित्ताजित्तजुघघुमुकेश्अंमकेंथमत्तरोअमूसचाय॰
चालका॥१११॥ अठहासासअासपासरूपउग्र॰
सोसोअसुजगुमातकोविन्धेत्रमानकालका॥ दोहा
कोटकलायलकालकागजेअसुरकाल॥ अगेल
गलअनरोरक्षेपसल्लाघुलअुयपाल॥११२॥ छंद
रा पधरी॥ सुनरोसबराजरानिरद्रूपपानबालबलरक्त
विंद॥ तबरक्तोविंदलेपानगज्ज॥ ततकालचलोव॰

हेसैनसज्ज॥ १३॥ पचासकोटसामेंपपूवें लछनारः
छहे आतआषें॥ आर्वनगायंकूषर्वनतुधार पत्मनः
प्याहलागेपुकार॥ १४॥ ईमाकोविहलसज्जवाय॥
हुकारतहेतआतजुघचाय॥ घारघेवुफालचक आकुः
लानसेस॥ आतकपल्लईवसुधाकॅलेस॥ १५॥ तिनाई
प्पजतम्रभातातावेचार॥ कालीस्मिकेरनाकिभसहप्ना
र॥ ईमाचेतैमातास्थितम्दनेंन॥ प्रगटीतुरंतमघसङ्क
मेंन॥ १६॥ निजघ्रमलसत्ताकाठहसत्रमृ॥ घाविम्तः

स्याजिनार्योऽस्तु ॥ पुनर्विस्त्रसक्तकागजुराय्यः ॥ हृयावि
न्नार्विस्त्राछहसमुथः ॥ ११७ ॥ पुनरुद्रसक्तकठचाटिय
नोदि ॥ हृयारुद्रप्रलयन्नत्रुम्नानेकोद्र ॥ पुनई्द्रसक्तकफठ
चटापदं ॥ जितानित्सहत्यो धररूपई्द्र ॥ १८ ॥ कौमारस
क्तकफठचठमउर ॥ कौमाररूपसुरवार्ईछोर ॥ वाराहस
क्तकफठमहिषचट ॥ वाराहरूपघरघुरनठठ ॥ १९ ॥ नार
सिंहसक्तकफठज्ञातप्रचंड ॥ नारसिंहरूपधराज्ञासुरषेड ॥ पुन
कठीनद्रकालीकराल ॥ समकालसक्तकालीकराल

२०॥ पुनपवनसक्तप्रगटेप्रजोर॥ उरम्अग्रसक्तउपजीतघो
र॥ पुनवरूनसक्तप्रगटेगम्भीर॥ कुंमेरसक्तागिरमेरघोर
२१॥ पुनरुद्रसक्ताकठफालसक्त॥ चउकासक्तप्रगटेप्र
उ॥ ईत्यादिदेवनसवसक्ताअर्व॥ जगमातस्यामप्रगटी
तसर्व॥ १२२॥ कुंडरिया॥ प्रगटीईमजगमातमुषदेवस
कोसवज्ञान॥ सवदेवनकीदेहमेयवरहाईकेजान॥ पेवा
दुर्गकजानकुरनचेतनक्तातकेजान॥ ईनाविनवलघुमान
ईनाहिमाजीयेसवलायक॥ ईनसमउनवलतजपनकव
हूयत्नानिघटी॥ महाप्रवलसवसक्तजगमातामुषप्रग

टी ॥१२३॥ सोरठा ॥ प्रगटसनकोईमानै ॥ कारणनामजगाज
ननकह ॥ जननजानतिरिपुगर्भ ॥ रागंजनकोआयसुदियो
१२४ ॥ सवैया ॥ लहकोआईसुधाबलसहकसवैमलगाजय
रिनघरुनमे ॥ जीतहीतिततिकोतकोलकोउतिलही
तितमारतभुउनमे ॥ कहुकोछवाहमहारिपुछोरतपर
रतप्रानकेकुडनमे ॥ वललकेलरज्योहलकेलकोमार
कुंजलपुंजप्रभुउनमे ॥ १२५ ॥ नाराचछंद ॥ प्रभुउसन्न
सेनमेसोसत्तसवगाजली ॥ जहातहातहकारकेसस्तार
मारवर्जली ॥ कहुकाविसत्नसत्ताविसत्नसत्त्रसत्त्रघउही

कहूंकाहूसत्ताराहूसन्नमुंडफूटही ॥ २६ ॥ कहूंकाईहूसत्ताईढ़
सन्नदेवचूरही ॥ कहूंकवाहसत्तावाहसन्नच्यौरभेजही
कहूंनृसिंहसत्तानृसिंहसन्नसेनगोजही ॥ कहूंकुमारस
त्ताकुमारसन्नसोवीराराही ॥ २७ ॥ कहूंकग्यग्रसत्ताग्य
ग्रसन्नफौजजाराही ॥ कहूंकपौनसत्तापौनसन्नसेरउ
वही ॥ कहूंकनीरसत्तानीरसन्नसेवहावही ॥ कहूंक्ष्मा
इसत्ताक्ष्माइसन्नमेंमिलावही ॥ २८ ॥ कहूंकालसत्ता
कालसन्नसन्नछैकरे ॥ कहूंकक्रोधसत्ताक्रोधसन्नजुध
जैकरै ॥ ज्ञानतत्त्वसत्ताहंसन्नपोतहधरी ॥ प्रमत्ता

बिंहकोसमसत्तेसेंनसंघी॥१२९॥सेनसर्वसंघीरकत्तोबिंहदे
षंके॥ क्रोधकेप्रचंडमुंडखानलोनातिषंके॥ साजकेसम
स्तरथगाजरवज्जःपिलके॥ मीचज्योंजरैनासिंघसौसप्रान
मिलके॥ १३०॥ मनकुंदछंद॥ सींसप्रानमनोमिलजुं
कहंकुधातपल्लपत्तोकट॥ ज्वलकालविकारालाल
तनकोपसजुलज्वालावट॥ चापप्रचंडधनुद्दंडसरसे
उज्जुधारसद्युधमंस॥ नसौतिहसाजूलथूहरनलोकलो
कोनपकोहन्न॥ ३१॥ दोहा॥ लोकलोकनयकहलथ
गहतवज्रचजोग॥ ऊंद्रसतकोन्नीपमरपिलोगायद्व्य

नेग ॥ ३२ ॥ छंद मोतीदाम ॥ अकीरणमेंइद्रछत्रकोल
स्लपत्रसहलस्तातपत्र ॥ फिरावतवज्रमहावज्रास ॥ लग्यो
अकोकस्तनजुथस्त्रनग ॥ महावलस्त्रतमरादितल ॥ लगे
तनुवज्रमनोगलघुफूल ॥ गजेतनफूलनजोसक्रोध ॥ लगोस्त्र
तलोनपारसपरजुय ॥ ३३ ॥ टटेजुतस्त्रननस्त्रननघउ ॥ अरोति
मेतस्त्रतज्वालप्रचड ॥ विलोकनलोकपुरीपुरस्त्र ॥ उंरउ
उगस्त्रजोस्त्रघनपत्र ॥ वढोईमजुग्रमलोघनथार ॥ महान
यस्त्रोत्रयमंडिलसार ॥ गजेवलस्त्रतसगरचाव ॥ लगे
नाहितातनमेंरनघाव ॥ सोरठा ॥ लगेनतातनघावइ

सत्रुहरहठथको ॥ तबसबसत्रुन आयघेरो परिपुत्रहसोरतें ३५
तोमरछंद ॥ सबघेरि घेरो राव ॥ कीन्हौ सबनमिल चाव ॥
ब्रम्हीलिनौ विघहइ ॥ विक्रमीसो चक्रानथइ ॥ उहूनी त्रिसूल
नैछइ ॥ ईहूनी आंकुस लेह ॥ कालनी षड्ग धतकीन्ह ॥ कुं
आरकासत्रुउरदीन्ह ॥ वाराहीलिहूसो विदार ॥ नारसी
घपंजनधार ॥ सिवद्रुतीपुहूरसनमार ॥ कैयाहूंनाहं
पहकार ॥ १३६ ॥ दोहा ॥ इमसबमिलधाइलीय पारव्रह्म
विहमहमत्र ॥ जिमवाघेतघनघोरा अरि तिमालिमवाघ

३७

तरक्क ॥ नाराच छंद ॥ जितो कलानि दै कोकलन वृंदन भूपरे ॥
तितेर कलानि दै के अनेक दान वाघरे ॥ समुद्र वार पार लोर
कलानि दै सूरिये ॥ सुरेंद्र नीद्र पेट ही चपेट सेन चूरिसे ॥ १३५
सोरठा ॥ चूरिय चारन सैल ॥ सकल लोक थल वल पीरिय
रही नैं जगन गयल ॥ दिसा विदीसि न दै अनत वटे ॥ १३६ ॥
छंद त्रभंगी ॥ वेठथकुंदै अंत अंत मदै मै अंत रीस पतंत तर
अंत रलमंडे ॥ पत्न पत्न चल्न गर्जंत घराघर पर्वत जुक्कसु
कसर्वत साधछंडें ॥ देषत रिमसत्रल समरास वचन धाधारक्क

ग्रनेद्रोविभुकी॥ वाहनरिपुहंकारसारंगढंकारफारमनुप्रबंको
रेरनकको॥ १४०॥ करकारआलिकुघाहिविरचविरघाहिप्रास
नसुघाहिज्जुघजरी॥ छंडतबहुबानहिबंडितरानहिंघरित
आसमानहितंतसुरी॥ तीछनसरवर्षतयाकिविवर्षतरिपु
हरतर्षतरहतसुखी॥ सनमुखरनमंडितखंडनखंडितथहि
वितडितईकारखी॥ १४१॥ गजगाजगानगंजतरथपथनि
जितआतमरराजितरनरंगी॥ कारआसुरसुभारनघुमघुः
मारनप्रारतभुभारनवहुरंगी॥ वहुसेलघमकतसूरघम
कतघरचमंकतरकासने॥ रिपुसनाधिपलुथनगुथिपगु

थनाजीमजगजुथनामिंहहनें॥४२॥हनदानवजूहनकार
कारकहनकालफूलहनवाहुवरं॥ठेठोरिपुरूलहितनुजः
मुंडहिउछालतमुंडोहिं औनासर॥ओना॥दिकआगालसतउ
जागरामिलसतसागरउंकवहे॥ बूडनवर्षाडिलाजिलनलङ्गः
हिंडिलमाहिमिंउलजलकोंनकहै॥४३॥दोहा॥ईमसवसे
नसघाररारातक्कोविंहतनमध॥पुनज्योंकोसोहोयरहेपालर
कलमाहिमध॥४४॥चारहजारमुघारकेंरविनकाकारक्रोह॥
रत्नाविंदकोरत्नाफिराफिराफिरजुरतसमूह॥४५॥हलीरछंद

ईममारतरनफारताजीममारतअरसौंबैठे॥ सहस
मारिपुंडमारउरउरअमरहाहारटै॥ कारसोचनहरलोच
नअरसोचनदृविसवै॥ गतअतुरजगमातुरकाव्वा
तुरविनतीसवै॥ ९४६॥ सर्वदिखवाच॥ मातसुनोंयहवा
तयकोहममर्वसुरी॥ ज्योंहतसोंअतवाठदसोंदिस
सेंनपुरी॥ अरतद्विपुकारअपलयअतसवै॥ श्री
नयजजनमातहरीअपघोरआवै॥ ४७॥ मरहटीछंद॥
सुनाविनयानिरंजनश्रीअवजजनप्रयलासिंघपरचढि

वंठहरिहरहंकारसारगांटकारकारतजुघहोयठठी॥ ठठीलहवाहिलमालप्रमुदितजानघननोवरस्वजी॥ वजीसुररूरनीमुदितमकुंरनीजग्रकालकागजी॥४८॥ दोहा॥ गजेसकालसकानसहितरमहानजुघअकार॥ कीन्हपसरपरमेसुरीवाहनसिंघहुकार॥४९॥ महानाराचछंद॥ हुंकारसिंहराजकोगिराजासिंघवाहनीसिवाजनीसमेतभूतप्रेतजग्रहोलिये॥ स्पत्रसोमसूजनीतिजुगनीघरनीरचीसोजुपजानरूपघानघपरन्नोरालिये॥ नेनेञ

मंनचावघंनश्रीजनंनरूठकेंत्रसुघजछगुछलुछमेंलि
यें॥ द्वियोंहकारक्रोधधोरवाढकेंतवक्रकोकत्रसो
रकोत्रविंदकालकाम्भ्रचालिये॥ १५०॥ विजेईक्षांछं
सर्वसेंनासहतरत्नाविहतवेंनछुल्लीन्हसवेकालनकात्रा
गनी॥ सत्रासेनानमेंजगृमातहसेम्भ्रोंसिराज्ञाविजेते
श्रत्राहगनी॥ रवम्भ्रीद्विवकोद्वसजेजेजपंगानेद्वागनी
जेंहतीसुगनी॥ श्रोनपीपीछकोरंगन्नएचतीनाचती
जोगमायाहिषजोगनी॥ ५१॥ दोहा॥ रत्नविंदईमजुम

रनवाजेअनानिसान॥ सुनतसुंजनृपकोपकारदियोनि
सुंनैपान॥१५२॥ हेकाछंद॥ निकानिसुंनसुंनहुकाम
तेंसम्हारकेअमराविमानसजन्नानतनजराती॥ रष्यीवि
ष्यीमहारथीसमरथ्यसंगसगरअनंगवजरावरन
रती॥ हयहरनपैहरनन्नयहलगायदहलचरनतसकारन
नघुरविसकारती॥ अछूरअनंनन्नेफरकफरकेसस
घरकघरकसैंमधीरघातनेघरती॥१५३॥ घरकघरकगाज
कामठकारनमरनतविकालसकारनहरनचरनतसोरनचकात

उगतनगउगमगतजगतागिरिगतगगनउउगनगन
घचकत ॥ अछरअमरअकपकसकयकपारघकपक
विघयतयुनवयकत ॥ चलतसोभ्रवलानिसुंजकेप्रथ
मरलजरलपलाविकरनसकरमाहिमचकत ॥ १५४ ॥
दोहा ॥ माहिमचकतलचकातअचलाविचलअमा
सोसिमान ॥ घनवतालीहिनृपसुंजकेवाजिलवलानि
नाराण ॥ ५५ ॥ रेखता ॥ निसानदमानचलसुनुचतु
रगाहलसगवजारगरनारंगाहिलो ॥ हंकारतानिरसकदं

उंकवंकानिसंकानेसंकाहसुहेहठौल्ली ॥ मुनरोसु
नगौरानिरमौरकछुकोपकारवापकारवक्रासरचक्र
चेल्ली ॥ महासद्मगजरराजगनजानगल्लगात्तमृगाराज
समाजासफौजोपल्ली ॥ १५६ ॥ दोहा ॥ चल्लीनिकल्ल
सक्कोईतलहउतेप्रबलारिपुक्रुध ॥ हंकहकचंकटविकट
साउन्नयजन्मन्नपजुंजुध ॥ ५७ ॥ छंदत्रिभंगी ॥ जुर
जुधनजोधाजुधप्रबोधाधाकारकारक्रोधारनठे ॥ हट
ठिनसोंहठिनराठिनसोंरठिनसमसमरठिनम

नवेठं॥ हेह्लसोंहयह्लपेह्लपेह्लइहिधिधिधेह्इह्लं
कोपपे॥ जापहजोन्कायघुतकतकतावधसावघान
जरजुघजे॥१५८॥ छंहन्नुजंगीप्रयातु॥ जरजुंघंजा८
घाहुहयारजोरंहहंकारहंकाकोकुघजोउं॥ चलेन्क
भेपन्कत्रठालवयाठंकोरहावपहावन्काउधफोउं॥ ज्ञ
टन्वानसोंत्रानज्वालाअरेहुटन्वानसोवानन्तुंमंपरे
हे॥ चलेन्चक्रोपचक्रासंकुघकपेअरेघर्गासोघर्गज्वोवि
जःतपे॥५९॥ कहूयजृसोंवजृवञ्छेफरालंकहूगर्जे८

सोगर्जे बाघंत ज्वालं ॥ कहुँ सेल पसेल मसेल मचकाट
कहूँ सूल पसूल मसूल धमक्को ॥ कहूँ ज्वाल पज्वाल प्रज्वाल सो
हैं विछुरे ॥ कहूँ सस्त्र पसस्त्र हम्मा हम्मु रे ॥ कहूँ ब्रुम्मल नीबु
म्मल म्मा स्म प्रहारे ॥ महांघोरघोर नम्मा समानं तम्मारे ॥ १६०
कहूँ विप्र नबी चक्र सों सस्त्र घालै कहूँ दुर्ग हा मर्द गर्द
मिलावै ॥ कहूँ रुद्र नी सूल ना सों सेन छेदै कहूँ वज्र कुं
ठा सों कंठ कटै ॥ कहूँ इंद्रनी बज्र सों सस्त्र चूरै कहूँ वां

नवानेतरीसैंनपूरे॥ कहूंकानेंसेंहथीहथ्यःआरे कहूंकं
कुसनमारेकेमुडभारे॥ ९१॥ कहूंघालीदंतसोंहंतहं
है॥ कहूंमारठकाठकेंसनआरे॥ कहूंनारासिंहीमहा
पंजनमेंजे॥ कहूंगाजेंहींगजेंगजाराजगंजे॥ कहूंकांजें
कामुंडहीमुडभारे॥ कहूंघनहींचूनहींचूरआरे॥ कहूं
कालकाजुथ्यकेजुथ्यमेंछे॥ कहूंसामहींसैंनआपार
नगाछे॥ ९२॥ कहूंचंडकाराथसोंरथमारे॥ कहूंहाथी
सनहाथिसनसोंपछारे॥ कहूंबाहनीदाहनीवार

॥१६३॥

वाहे ॥ कहूंज्वालनीज्वालमालानेंह्वाले ॥ कहूंवेच
रीन्नैवरीमारस्नी ॥ कहूं नछूनीरछूसन्नछूलैंनी ॥ क
हूंजोगनीन्नोगनीश्रोनसांचे ॥ कहूंसंघनीउंकनी
फूलनान्चे ॥ कहूंप्रेतफूलैनुधेरघारैलाई ॥ कहूंन्मूल
नैरोलियेनुधजाहो ॥ कहूंलुप्यपेलुप्यदुग्मतूलुटे
कहूंल्लूगनलूएमांमुंडुटे ॥ कहूंमुंडकेटऊरेन्नूमन्नार ॥ ९
कहूंरूंडघूमेंमनामतवारे ॥ कहूंमुंडाचेनहूंऊलेंघर्गधावे
कहूंस्यानरौनेपित्तापिंउपरावे ॥ १६४ ॥ कहूंघायपलंघोर०

चिकावघेंकहूंघावन्नारोंनृहीसेमनेके॥ कहूमत्तमातंप
क्षगन्नगलुटेकहूतुगातिपेतरांपयडे॥ कहूंगीधउन्न
मेम्भोनमासंकहूंसेघछोडेत्तरवत्मांसं॥ न्नयोजुध
योन्नृतन्नोषेक्षेनद्रोवेजेईसरीक्रत्तजपेक्षनने॥१६५
पधक्रटंघं॥ जप्पाहिक्षनंनसंगारजनंन्न॥ हानवप्रकु
ड॥ किपरहेउमुंड॥ ६६॥ महानागाचछंद॥ किपलरुड
मुण्ड्मुण्डहानवापछ्लनमेंक्षेघंडसत्रमागयारपाराम
नमालका॥ कपंतचंद्रन्नसनप्रानज्ञातकोत्ताकिन

कें ऋकृतं कृतं प्रतं कृं ऋकृत जुधजालिका ॥ ऋनेक्र
नं ऋसैनोन्निनसंगर प्रधारता ऋजोरतानऋंन्यघंत्रि
वित्य पालकालिका ॥ समस्तासद्रुगंजसर्वसक्तयो ऽ
छिनंकमेंऋनेकालछलुथलछलीन्लियकालि
का ॥ १६७ ॥ छंद्रपधरीप ॥ कालकासकलनछकहयं
त ॥ ऐघृतानिसुंन्नऋतरासाबित्र ॥ ऋतगजेगन्नोबिं
कारघोर ॥ ऐसमलसवांल्घारासद्धेजोर ॥ ऐसा ऐसनत
ऋपोऋघंऽ पलऋलपारियबधतब्रम्हाउ ॥ तवसवे

पनहांकोविमांन॥ धालेजिसुंचकल्चक्रवान॥ १६५॥ छत्र
तवानमहांगिविजूतल॥ लागेनिसुंकुठरकोंदूल॥ का
टेनेकोरे स्यतविकट अंग॥ टारेनिरट स्यतविकट भंग
मारेनिमरस्यंतग्रामकाय॥ जारेनिजरेंबूजरंगाय
ह्यहट्यकेपसहकेसमत्त॥ परवतप्रमानठाठाप्रमत्त
१६६॥ गजगर्जसकलसतननस्पार॥ ईसुरीसनमु
षघायगरिसार॥ कुठवगंकाठीरसावाढरोस॥ त्रिव
कोपवर्गयहांसिंघसोस॥ तबसिंघासनस्योंवासमर्थ

रियसोऽवर्गवल्न्यापतथ॥ न्यपवर्गकोठीसिद्ध
सवढ॥ जुतवर्गन्यसुरनुजूनसोकथ॥ ७०॥ तवन्य
सुरकोपचसूनल्लीन॥ श्रीमातनुतवे ककोन्ह॥
पुनन्यसुरक्रसकोठकठा॥ श्रीमातनुजोसंजुह्कटा
पुनन्यसुरवजुघालोनुरन॥ श्रीमानतमकोटोरोतुं
त॥ तवन्यसुरोसोधिसन्यानगर्भ॥ स्तसमलसवोहुतजस
न्यसर्व॥ ७१॥ नवमातमसन्नुवडेनमत्त॥ स्तसमलस
वातुकटेसमत्त॥ सामंतजवाजीपमानला॥ घायो

सनमुषमुषवक्रप्रार॥जबजुकप्रेस्तीसिंहहेन्द॥
विन्नहिनचक्रनसोसछोन॥रुदीवसूलनाछिनस्र
हार॥ऊँनिविज्ञनवज्रमार॥७७॥कालेषिडाकार
षडषड॥कारोग्रसलामलनविलं॥चारालीहोहन
नाविसार॥नूरलारियलहोपंजनउहार॥केहीयनषन
नषासिषाविहे॥सिवझातेपापिन्नोतम्रोनितन्मषड
७३॥चौरवीचारनघारनकोठार॥सषनाउकनन्मणन्नो
गटोर॥जोगिनप्रातिनामिलछोठोर॥न्नेछसवराछस

कौरकोर॥ ७४॥ दोहा॥ कौरकोरजोगिनकरौ प्रबल
निसुन्ननरेस॥ सुनतसुन्नारिसपाजरो ज्वालहूयपरमे
कलेस॥ ७५॥ तोटकछंद॥ जबसुन चलेतकलेसाकी
य॥ दलकीबलकीन्हसम्हारीहिये॥ ज्वालतज्वालनुराकु
चबछांहाकिये॥ मनदेवनहूविनकोनिहि॥ ज्वालसउ
लालियेकरकुघवठो॥ जनुकालप्रलयकोकालकठो
जमराजकठमवनगूकठो॥ रसलीन्यसराकसपुजवठो
॥ ७६॥ चलक्कहकारतवनेघनसे॥ ईकमलसवैउकाही॥

मनुसे ॥ सवहै कालकै कालधारि वनैहैं ॥ कोपपर्वतवज्राक्रि
रावतहे ॥ धनुषधरमहाखुरागाजतहै ॥ भुजअष्ठमहाबलसो
जतहै ॥ सवरूकोलधायधायधवकै ॥ नवषंडवृम्हंडस
वैलचकै ॥ १७७ ॥ गिरमेरूकपसुवलाकिधपे ॥ विष्णुवि
ष्नोनिवसोतोहलजपे ॥ दसहुंदिसकापनरधानो ॥
नाहिसानववसैनपरवानो ॥ भूतारनछारस्ञकासव
ठो ॥ छिपलानप्रलयानरैनवठो ॥ पवनभूतकपूत
सकृतभये ॥ गाजिपोक्षोतस्ञातुरक्षापकोपे ॥ ७८

कुंडलिआ॥ आतुरभेआयेन्रपतरनमुषमेंजुर
ह॥ जुतक्रमठजुभानैरषवाठेसाकसमूह॥१७५॥
वाठेसाकसमूहमोहहूषत्रहिलारिसावन॥ सावनन्नम
नयन्नीतिइतहिरिपूरिषाषसावन॥ रिषाषसावनसु
नसमरगरजतगनमातुर॥ मारतसनमवषायपति
तआयोआतिआतुर॥१७६॥ सवैआ॥ आतुरभ
गपोरणमेंजहल्लाठिनमानीगुमानगही॥ मूरत
वंतानिरंजनज्ञानदिपैदूगआंजनरषासिद्दी॥ सर्वासि

गाराविषैंनन्भूषितन्ध्रघघोंकारसारगरती॥ बेसाकी
सोरमहासुकमारप्रतापन्नरसिवन्नातनपूरी॥ ८०
द्वोहा॥ भूषतरूपप्रतापन्नतन्नोवागुणागन्नीर॥ नेह
नैजानेसुन्नपसुवचनकहतधरधीर॥ ८१॥ परम
प्रतापप्रतापलहरतोसुन्नचकथाय॥ अहंकारकेद
कोपतेकहवचनासिसन्नाय॥ ८२॥ गीतकाछंद॥
तुजोकहसमभजुघजातिहातीहिवरतव्रतधाए
ईनसवहेविनचलललरततनामलकावलनार॥ जव

जानिसेतवस्मापवलसंग्रममोसमकाज॥ परवल
सुयांवरकेवकोलोकासुस्मांगारनस्माज॥ ९८३॥ छ
दसुंदरी॥ वातईतीसुनकेजगवंदिन॥ ज्ञानहिज्याप
दियेसुरचोंहिन॥ लेंस्मकेलइतिस्मा।जिनजान
ही॥ येसवहीममस्मोसप्रमानहो॥ ९८४॥ नवकुंडल
छंद॥ योकहस्मास्सतजननीसवसकंवदनसमा
यलई॥ ज्योलहेरंउवामिरनतासिंघमातनहूतोंन्निं

नजइनैंगइी ॥ सोसबरदाविसमापरज्ञापुमदमाति
सोन्अबरज्ञापरही ॥ ज्ञापयन्नावृवतायप्रज्ञासत
पतलनृपतसोवातकही ॥ १८५ ॥ इकछंद ॥ मेहों
जोगमायामेरीमायाकोविलासुविचमायाहीं
मोहामृठजातननठघटमे ॥ मोहीमपराक्रमसास
चमोहीमपसारोरचमोहीमेसमुहज्ञालमकौसो
विवेकमे ॥ ज्ञाद्दमसक्रमेहीमधमहीज्ञांतमेहीसत
ज्ञाछाज्ञानन्यामेथ्यामृमेजुपन्नेकमे ॥ केवलमेप

कोएकजानतअनेकनमेंएकतेंअनेकएकसकलों
अनेकमें ॥१९६॥ दोहा ॥ जोहिएअपसमआएइमत
हिएनेसमजौनीच ॥ गरजामख्खुछाडनलगोलइमूढ
कारमीच ॥ ९७ ॥ छप्पय ॥ गरजइएवलपुएअसुस्सेसु
नवहुछंडत ॥ जिमाहिधेरगिरमेमेघमडलफरमंडित
भुखालअसमानवानाविनठोरनेसुम्राति ॥ उलटउल
टअत्रसस्त्रअपुअपेअपजुअत ॥ कहअछुरलव
तअकृतलवलवनकृतअहलुतसमर ॥ हरिहरावे

ंखवंछतकुमलसोभ्रातस्वातृजंपतृणामर॥१८८॥ दो
हा॥ भ्रातस्वातृन्नमृणमलभचान्नइसमहामपकृत॥ श्री
रघुपतिरतनरावोप्रवलसबजुरञ्जल॥१८९॥ दंडक छं
दुषसबजूहृष्णभ्रजलकृतलोकनमंदूतकेफतुहं
कोसमस्तोरारिपुगजनो॥ सधानघनवालगोरवानद्
णारत्रानलौनन्नूकुठीकमानसीचडायस्रीनिरंजनी॥
णछाणानस्मकोपण्णगनतेणोगणगभ्रजालित
ज्वालदमालातनकंजनी॥ कारकोसिंधनादसिं

पेखतासिंसानरामसगजेघोरवांनीश्रीभवांनीभूपमं
डनी॥ ८०॥ भुजंगात छंद॥ जपंनजनराजेरराने॥ कोप
जुतमनमें॥ पेखासिंघभ्रातबलमें॥ कीन्हपुसाभ्राह
लमें॥ ८१॥ दोहा॥ कीन्हपसाभ्रासुउपराज्यापाछिन
परवाज॥ ब्रह्मादिककोतुकथाकितश्रीभगवतीएन
साज॥ ८२॥ छंदपधरी॥ श्रीभगवतीभ्रातकोपकार
धनुषबानधारहथः॥ प्रबलसुसस्त्रबलमथोसोन्पल
तचपलगातारथः॥ ८३॥ धनुहथःलईकधारसारहथ्यहर

रथेःहरकैसरासुरकी॥ उतऽआरवनवर्वनरप्पीवलग
र्वतिपर्वतिसेसघराधरकी॥ कहऽआछरऽअनसाजेतेउ
तेतेसोतितिकअंमरकी॥ हरिसंनुमव्वऽऽनंसबल
कोरपलालिकारफानऽअवुकारकलकी॥ १९४॥ सवैआ
कर्यतपानानिपासमहासुरफर्कतवर्गनिसोरिसुनु
गी॥ वर्पतवांनघनेघनसव्वनतर्कतज्योफनपत
उगी॥ हर्पतजेतविजैकहऽआछरहेरनचेसवदेव
तसुगी॥ यौऽआनऽआरत्मुतजुघराचौरिपुहारनद्रष्य

विहारनहारी ॥ ९५ ॥ दोहा ॥ श्रीगुरगोरिपगुरति
यकलतसगान्नरत ॥ पैंठपैंठपैंठ आसुरधारपरठकि
तमुउ ॥ ९६ ॥ मतानाराचछंद ॥ अस्त्रयस्त्रमुष्टमुष्टहो
हहानबाणबिंदुओनिकुंडकुंडपंडपंडहरी ॥ जहां
तहांनिलारलूरपूरओनमासहीतमासहीचकात
चूतपूतदूतहहरी ॥ नेनंअनंतसघंनघसजुधस्थी
जनत्सकनश्रानूतबःचूतप्रतमानजानसहरी ॥
श्रेकेसकेसनाहिहरनेसमस्तमस्तदेतःपंजध्यांश्रंनं

तहत्तपंतहनंतपेककेलरी ॥ ९८७ ॥ हनोंसिक्षानस्री:
नवानन्रस्तारंटारमारआरवारसम्नज्ञुब्रसव्रहस्त
मेंलमे ॥ उठेकमंरहकुघग्नघ्रजुघकेंचसघघोंमहासन
घवघवुघ्रहानवापछेंलमें ॥ जनेंज्ञानस्पर्हचुव्यवं
उसंगुमउलीप्रचउहानघाज्ञापउषउकेलघेलमें ॥ सं:
मुहलहकेंरहेलहेलहेकातेरहुहोतिम्योंनासिघके
रहेलहेमें ॥ ९८ ॥ चलेतम्योनासिंहासिंघरेहपटटप्प
याज्ञानउमसमछचालघरजघ्घाहनी ॥ ठलकठा

रनकछमछुवगंम्रेलगातुजातुन्नुजान्नुजंगन्नंगु
लाहद्दाडुलावगाहनी ॥ चनेंअनलसंअंलसआन
अगान्तगजेतज्ञाननंन्नअब्रज्यालज्ञागजोगनी
नलांपनी ॥ तहांमहांसमुद्रमेंविमुद्रपराजसीज
लाजक्षपिविराजमानमातंसिंघवाहनी ॥ १९९ ॥ ना
गवत्पनीछंद ॥ प्रचंडासितवाहनी ॥ समस्तसञ्चहाहर
नी ॥ विलोकसन्नअ्जुघके ॥ जुरोविधाहअ्घके ॥ आन
तमअ्अमुक्तिमे ॥ सोहव्यमातकुकियो ॥ सहन्नसत्र

खंडियो ॥ अन्हृतजुगुप्साडिसो ॥ २०० ॥ किंपतकुगुपाठे
सो ॥ समानजुघवाठिसो ॥ पारसपोसह्वष्ठरी ॥ सोत्रा
नत्रानषडहो ॥ जुरत्तन्याद्वेन्याद्वेसो ॥ कुरत्तसद्वेस
द्वेसो ॥ तकतदावहावसो ॥ फुकतनावचावसो ॥ १ ॥
कांतकाहकसो ॥ घांतघीसघीरसो ॥ नरंतन्नंतारि
छन ॥ अरंतवानातिछन ॥ चलंतन्यम्मवानव ॥ उल
॥ चंद्रमा ॥ त[illegible]नव ॥ धुलंतसलसटनके ॥ दलनतदावह
लके ॥ २ ॥ तजंतजोाचक्रहे ॥ गजंतषोावक्रहे ॥ ॐ

ठलवकज्वालकं ॥ छुटंततीरमालकं ॥ लगंततीरप
र्वसंनगतलीरसर्वसं ॥ निदंतप्रेमवानले ॥ छिदंतले
मवानहे ॥ ३ ॥ अनंतजुधविहलतौ ॥ उतिउतेनोजितनौ
त्रिलोकलोककंपही ॥ मोत्रात्नातजंपही ॥ ४ ॥ इंकाव
त्रात्नाहजपतत्रहंदलतोत्रलोकसोकलोकलोकाट
नागवउगिरनगिरतुले ॥ अनेकसमुदमंसमुदसा॰
तोगझिलाहोपरवतसंगरिणुथावाअरसोअरतुले ॥
उउसेवहताफिरतरुउभुउजहांतहांदेषतचाकितहु

नागतफिरततें॥ अंछ्यअनंतअंतोछुलछजो
जनपेअंबाअसुनकालमोविमलरततें॥ २०५॥
दोहा॥ दसहजारजोजनवठोधरनीऊपरथान॥
कलअनंतसग्रामकौवरननकोपैकोन॥ २०६॥
धनुलकासग्रामगतमनुअनंतपोनअवस॥ दे
धतअअंबाचारितषकालहोलिवस॥ ७॥ फिरत
चक्रतसुरअंतोछदेधतअनतसमउ॥ कारतजु
धुकारतमुषअरतअगुअनतचउ॥ ८॥ ईहिविधि

विविधप्रकारकारसमापारसपरवाढ॥ सातमृतज
मराजाजिमठअयअस अपीसिवाठ॥ २०९॥ मरहटी
छंद॥ ठेठरिसजुघालिअतवलवुघाहिक्रुघाहिक्रुघाहि
सत्रुचलंत॥ घालिआसमानाहिपूरत्रानाहिआं
नाहिविरथ्यचलंत॥ हैवाअतआरतहीलपकारत
मारतकेसनाहिमात॥ सीलारनलेघतहाहिनदे
घतपघतघलकनासात॥ २१०॥ छपय॥ सुनमन
असमरपुकारसमाकोपतअपअंजन॥ टंकारकार

सारगराग गावन्नृपरनगाजन॥ अर्घबंद्रपाबोनबानन्को
फ्रानहानधार॥ तानकानपरजंतकुटिलन्नृकुटीमरो-
को॥ कहिं अछा अनन्सिसोदूधमिलतजासापक
तिनरसन्यौ॥ नृपसुन्नमसुवड अमावडतनसोधंउधंउधड
नको॥ २११॥ धंउनकाहिं अतअतारिछुहिं अरमार
न॥ गिरियानबहायबूरगिरवारमिलगहनो॥ सप्तहो
पनोघंउमंउध्रमंतोउसोलिचपनो॥ सेससीसकलथंत
कमठपीठिकाधाधचक्यौ॥ आकृतआमृतअनंन
ननन्नवनन्नतअअदमुतसमा॥ सुफुरनफुरनफुरन

नवासिसोजयजयजयजयतऽमर॥ २१२॥ जयतासि
घऽसभारजयतसंग्रामजयतकर॥ जयतवर्गधनुधा
जयतकासवृछयंकर॥ जयतमाहिषमुरतारजयतम
धुकेटनधंडन॥ जयतचंडमुंडाजयतधूम्रोछविहंडि
न॥ जयतारक्तविहारजितमुन्निसुन्नसारनहनन॥
मुसकटलानऽनंनंनलनसोजयजयजयसंमृयजन
न॥ २१३॥ दोहा॥ नमोमातश्रीभगवतीअद्भुतचरि
तिअनूप॥ सुरऊबारगंजेअसुरधरवहाहुपसरूप॥
१४॥ विजडूलांछंद॥ हिम्मानकत्कोटमोप्येलसतआ

मोक्षान्तातन्नारायनो॥ द्विपसेतांबरमराजतारैका
हीरानैहारायनो॥ द्विपकोयधर्मोद्विपाक्षिप्रासनो
मुक्तानिसुन्तसंघाकोरायनो॥ द्विपकोवतारसेसान्न
वतारनीसोनमोहोनमोमातनारायनो॥२१५॥ घर्मो
चक्रोधांमूलसेलक्ष्मनंतीछनंइछनंपानघारायनो॥ चा
पध्यानकुसंठालघटातथाचामहत्तमहासोन्नकारा
यनो॥ रससुजीतदसहजारनुजान्नजनीरजनोद्व
तोरेकांतदारायनो॥ कोंवकारसश्रीसिन्नुसहस्रायमो

नमोहेनमोमातनारायणी ॥१६॥ गात्तोतेप्रज्ञापार
गेतघोरवरोगेतिनगान्ननधारायणी ॥ ऊँउकामंउलंमंउतंपा
नेमेंचारवक्रौंसृतंचारचारायणी ॥ राजेश्रीराजहंसैसंघे
श्रीसनीघासनहोमकीश्रीसपारायणी ॥ ज्ञैस्तनोहप ॥
वेस्तांस्कर्ताखयंसोनमोहेनमोमातनारायणी ॥१७॥
संघस्वक्रौंगदासाजसारगनीसाथलानिर्मिलाक्तिषधा
रायणी ॥ चारचाहेघरेवैजवंतीगारेवत्त्वपीसघोदा
सतारायणी ॥ सत्वकौसत्वाश्रीगङुरासिंघासनोमारम

चकैटज्जनुकूष्टुहाएयनी॥ विस्त्रवीरूपविस्त्राहूमातालाखेयंर सोनमोहोनमोमातनाएयनी॥२१८॥ सीसमुहाजटाग गघाएलमेचंडूमोन्हालज्ञेनेव्रताएयनी॥ सिंघचर्मर घोरमुंडमालागोरंतेजपुंजप्रजासर्पहाएयनी॥ मलजो लियेकालकूटेपिंपिंगातविन्हूलनेदिहकाएयनी॥ रू द्रनीरूपरुद्राहजोगेस्वरीसोनमोहोनमोमातनाएय नी॥९९॥ सर्वसोनेमनेन्नूपनेम्रोगनेचन्द्रेजाएकसी ताजाएयनी॥ पानवज्रेवरमुक्तमालागोरंमाघुरीम्

त्तसोविस्वधारायनी ॥ मत्तमातंगपेरापतवाहनीहेव१
तारैस्नीतस्नारायनी ॥ ॐ ह्रींनीरपईहूंहराजस्वेरास्मानमो
होनमोमातनारायनी ॥ २२० ॥ मोरक्नौढघोमोरपीठ
स्नीमोरग्रीवातनेसो नमस्तारायनी ॥ चक्रसहंकघोवेन
मालागेरंवाह्णपीरपदंपीरस्तारायनी ॥ सिंघासिंघाधिता
चंद्रनीवंद्रनीविस्वाविस्वेस्वोविस्वपारायनी ॥ नंदजाद
पक्षानंदजासर्वह्मासोनमोहोनमोमातनारायनी ॥ २२१
चंद्रवक्रतथांस्नार्धचंद्रघोरचंद्रवदनेतनंसोनमधारायनी ।

श्रर्वरिउज्वलंपूज्यलंश्रावघंसावघंसासघाननृपन्ना
रायनी॥ सत्ताकोहंसोहंमंऊकारोहानवादस्वम्लुऊ
पारायनी॥ श्रारकारूपकोमारसत्कोप्रहसानमोहा
नमोमातनारायनी॥ २२२॥ धूमरसेजजाजूरछुयासि
रेकिर्नमुक्तनेत्रसमन्नारायनी॥ तेजन्नोहंयठेलाल
चछूपन्नामालरूङ्छन्नहूछधारायनी॥ कटश्राऊ
वंपटगेरूरगोषपरपानमश्रानप्रहारायनी॥ श्राजे
कारूपसंग्रामरणाप्रियासोनमोहानमोमातनारा

पनी ॥ २२३ ॥ सीसकाकासलोंचराग्नपेसंसें ॥
धोरवकोमलाधोरधारायनी ॥ रोंमपनेघानेनज्वाल
जोनृमनेसासनोखासझ्रारायनी ॥ सेसकेसीसको
पनेउछारकेउटकें अग्रवेनृमघारायनी ॥ वाराह
पवाराहवरहापकासोनमोहोनमोमातनारायनी ॥
२४ ॥ कार्धनादेहरीकिहरीकार्धकपउधकेसीमहाकु
धिकारायनी ॥ वकपंजावनेनेनपनृधारकेटकारकेटद

तमयमंतनारायनी॥ पेंन्हउहाराबिहाकेंदांनवाहिर्नका॰
सिपकोपटक्षारायनी॥ नारसिंहनरासिंघसोरूपकाप्रिसा॰
नमोहोनमोमातनारायनी॥२५॥ कठसुमरसौवा॰
ठेमलाहासम्स्राहदहकाकारायनी॥ मुंडरूडावलीतु
डसोनोसिवयम्ओनिवृडगजचमघारायनी॥ सुखमाक्ष
महाजैरमीत्सानुकोत्मूलचूठामियकारकारायनी॥
कालकारूपहोयपरछुसन्नछूनोसोनमोहोनमोमात
नारायनी॥२६॥ हेमंतऔनतापंकजकोचिता॰

रविंतागातसंघातघाराएनी ॥ ठालठक्षानचक्षानसत्र
प्रसन्नअन्नयर्गानद्रुर्गाह्मारायनी ॥ गर्वतेंगर्वतीचर्वतीर
सनयाघरवलीप्रकाराएप्रकाएएनी ॥ चंडकारूपचंका
रहेंकारनोसोनमोहोनमोमातनारायनी ॥ २२७ ॥ च
कपूज्वालाविक्रोलज्वालाननंद्दाननंसेनसंघटज्ञा
एनी ॥ नासकालासेसोसत्रफेजेऊंमल्लठथिंनहस्मा
नष्करायनी ॥ फैत्रसूलत्रसूलछैकारनीघारनीजोविज
विस्वपारायनी ॥ नद्रकालीकलासर्वजैनंजनीसान

मोहोनमोमातनाणपनी ॥२२८॥ पेकोतंआपसहोरुं।
नेकेकोसंज्ञानि नूभ्रसधारकारायनी ॥ फेरकोनकोतंपक
हेपकहरबरीपकधानथायकारायनी ॥ तोकथाजोज।
थ्यासातथाकोकहपाकोसार आनंन्यनेन नारायनी।
सर्वदाआरुत्ता आहुतीपप्रज्ञासानमोहोनमोमातनी॥
णपनी ॥२२९॥ आपुहीआछुतीपप्रज्ञावप्रज्ञा आप।
हीसुछज्ञीपप्रकाणपनी ॥ आपहीमुनिनानिर्गुननद।
॥नूपनी॥ नासनी आपहीजोतजाणपनी ॥ आपहीआदद॥

अंतःआपहीमघसर्वहिस्प्रीसर्वकारायनी ॥ जग्गायींजे
तश्रीजगन्नमातास्वयंस्थानमोहांनमोमातनारायनी ॥ ३०
हस्तहीनांविघकोटकरतासहाचखुहीनंगलीरिकोटपा
रायनी ॥ अन्नहीनांसिवकोटसंधारकाचनहीनंसर
कोटचारायनी ॥ कर्णहीनंघ्रानकोटवानिपुनंगात
हीनंघ्रांकोटघारायनी ॥ रूपहीनंतनकोटरूपकारीसो
नमोहांनमोमातनारायनी ॥ ३१ ॥ रूपारेखंनहीरूप
रेखेलहीरूपरेखसर्वादिष्यस्थारायनी ॥ दृष्टत्र्यावंन्तसृष्ट

सृष्टओ तुही सृष्टि कालातु तुही काल कारायनी ॥ नितही नि-
र्वतीपर्वतीकारनी निर्गुनिनसर्गुनग्येयधारायनी ॥
आसारआनन्दआछेसकीसमासा नमोहै नमो मात
नारायनी ॥ २३२ ॥ सर्वरूपीनमेंरूपरंगातुही सर्वयपार
बौनमेंयानपारायनी ॥ सर्वजोतीनमेंजोतआर
जातुही सर्वसक्तीनिमें सक्ताकारायनी ॥ सर्वासंसार
में सारजूतंकर्ती आसार आनन्द सर्वप्रकारायनी
सर्वव्यापीकेचलतनता सर्वदासो नमोहै नमो मात

नारायनी ॥ १३३ ॥ सर्वदासज्ञक्षोसिर्जिता सर्वदा सर्व
द्रानदमोदप्रदायनी ॥ सर्वदासोघक्षोसिर्जितासे
र्वदासर्वदाउदातकारायनी ॥ सर्वदासोम्यृकासप्रन्नावे
दत्तावेदवंदत्तासिधतकारायनी ॥ सर्वकारतारम्भोसर्व
सक्तीस्ययंसोनमोहानमोम्भतनारायनी ॥ १३४ ॥ सर्व
तापानपाहानपानप्रज्ञा सर्वतोन्चरुकानोदकारा
यनी ॥ सर्वतोगर्भासिंसारगर्भेधोंसर्वतोद्भूप्रप्रभानं
धारायनी ॥ सर्वतोनंतरक्षाधंतमधार्वेनापर्नासर्व

तोवाएपाराएनी॥ सर्बविस्वेस्वरीविस्वरूपेघेसोनमोट
होनमोमातनाराएनी॥२३५॥ दोहा॥ विस्वरूपाविस्वेस
रीविस्वजननधरवान॥ सकलविस्वज्ञानस्कानसात
रियसक्तनिसान॥३६॥ रेषता॥ तोरिपसक्तउतपत्तासिसा
रसवतोरियसक्तप्रतपालनाता॥ तोरिपसक्तविस्ता
उत्तानीतोरिपसक्तसंघारघाता॥ तोरियसक्तफलहु
पायेसवतोरिपसक्तकातकमधाता॥ तोरियसक्तसवस
क्तअनसक्तनजपतावेयसक्तसीजग्रमाता॥२३७॥
तोरिपसक्तमुपघेन्याप्ले चारसवतोरिपसक्तजलसि

त्रसाता॥तेरीपसत्काजगतेजव्यापीकौहैतेरीपसत्को
तत्वलतवाता॥तेरीपसत्काआकासघनहहतहैतेरी
पसत्कातत्तसर्वघाता॥तेरीपसत्तसव०॥२३८॥तेरीप
सत्कानिर्गुननानिर्वानपरतेरीपसत्कासरगुननूगाता
तेरीपसत्काबिघाविस्नपोकायसबतेरीपसत्तमोहिसस
घाता॥तेरीपसत्कखोहिसिघासिधांतपरतेरीपसत्को
निघासिंघधाता॥तेरीपसत्कासव०॥२४॥तेरीपसत्को
सोंऽत्रमरऽत्रमरावतीतेरीपसत्कामनपपांनगाता।तेरी
सत्काहैऽत्रतवरजोरऽत्रततेरीपसत्कागनरगराता।तेरी

पसक्ताविचलपूजहातिछुवतेरीयसक्ताजलमधुपाती ॥
तेरीयसक्तासंघसक्तानंदमनजपतश्रीप्रसक्ता
श्रीजिसमाता ॥२४०॥ तेरीयसक्तातजानिमतजहतेरी
पसक्तावलचारिलेनमाता ॥ तेरीयसक्तापानीनिमयप
नहतेरीयसक्ताध्यानानि ध्याता ॥ तेरीयसक्ताजोगीन
मेंजागहतेरीयसक्तातपतजजाता ॥ तेरीयसक्तासबू२
४१॥ तेरीयसक्ताचेतनासिंसारसवतेरीयसक्ताजउधु
छपाती ॥ तेरीयसक्तामाहिमालयवनजवतेरीयसक्ता
निर्मलरूपाती ॥ तेरीयसक्ताज्ञातनकेयापतरमाती

समस्तानिजमुक्ताजाता॥ तेरिससतकासव०॥ २४२॥ छ
प्पय॥ जग्यमालजगजोतजग्यमूरतजगवंदिन॥ सिवानिवा
सासिवसतकासिवहासिवद्वासिवर्चोदिन॥ कारणानिर्धारलानि
त्यानिर्वानर्निरंजन॥ नवकोधारललसारग्रलखकरतान्न
वृजंजन॥ सर्वानसर्वर्लाइकसहासकललोककारन
कारन॥ समृथजननमुनन्सन्नतसोजपतेदेवअमत
नमरन॥ ४३॥ दोहा॥ ईसहेवनस्तुतकरीपूरनपरमप्रमान
रूपप्रसन्नजनईसुरीमागतुसुखदान॥ २४४॥ गीतका
छंद॥ सुनसरनफलप्रमानकरकीन्हींआजकाजोर

तुपकपातेहमहेविपरहस्नाहिसुधाविमुक्तोनेंथ्यार॥ तातेंपर्
वरहात्नमागातसुनश्रीजननजगमाए॥ जवजवसोइमसे
कृटपरतपततृसोकाटवश्माए॥ २४५॥ सोरठा॥ सुनसु
गविनयसो घीर॥ श्रीजवानूनपनजनी॥ महावचनग
नीर॥ कहताश्चापपरमेसरी॥ ४६॥ ईस्वरोवाच॥ छदपद
री॥ सकटकाढलुमोसमत्त॥ जवजवचवोठेहेभ्रतसम
त्त॥ अठाइसकलयुगतृपसोठार॥ हुहेपुनसुन्नानिसुन
श्रोर॥ ४७॥ तवहोतपापघररूपधार॥ हनहोसोहुष्टसवातेव
सधार॥ पुनवक्रकहतहेश्रातराज॥ विस्नादपिरस्नजोतर

समाज ॥ ४८ ॥ तवरत्कोहूतकोरूपधार ॥ हननहोंमोरूप
नयहूतहार ॥ पुनरूगनामहैस्कोतहोस ॥ त्रैलोकोविजयस
जसलनहूपसोस ॥ ४९ ॥ तवहोरूगोस्कोवतारधार ॥ हननहोंस
रूपरावतपछार ॥ पुनन्नोंमानामहैस्कोतजपत ॥ सोस
कललोकफिरहैस्कोत ॥ ५० ॥ तवहोनोंमोस्कोवत
तारधार ॥ हननहोंसोरूपहोछिनउछार ॥ पुननोंमासुर
रूपहपप्रचंड ॥ जगजीतराजराजहिंब्रम्हंड ॥ ५१ ॥ तवहोर
सताछस्कोवतारधार ॥ हननहोंसोरूपमगनप्रहार ॥ पु
नहारननामहैस्कोतधार ॥ त्रैलोकेछीनलेहप्रजार ॥ ५२

॥श्री॥

तवहोंन्ग्रासुरीरूपधारि॥ हनेहोंसोसुरूपाहिरेहोंविहारि॥ पुनर
सोकोनामईतैतबढ॥ चलजौरसकलसुरहोहिफठ॥ २५३
तवहोसोकन्तारूपधारि॥ हनेहोसोसूसुघृनमहारि॥ पुन
पारहकालीपिसोपजोरि॥ उपजेनकोनमुस्पतहासिधारि
५४॥ तवहोसोकन्तारूपधारि॥ रचसकलसवाहिलेहोजि
वासि॥ ईस्वर्डुमजवसंकरपारहाम्रा॥ तवहीवहोरिछलोकोञ्
नपजास॥ २५५॥ सुरिलछन्द॥ सोकहिहुवरासुरानसकार
लसुरचुहनी॥ तोपुगईक्रांताप्छांनजनन्नजगधुहनी॥
फूलगपसुपुरनचैनसुवरासीजेया॥ पाहाघारुमगल

चारचघाएवाजिएँ॥ २५६॥ रिषउवाच॥ दोहा॥ इहिवि
घसाध्यसमाधसुनश्रीजिवानगुनगाथ॥ बहुमत्नफलदे
तसवहेसबाजिनकेलाथ॥५७॥ श्रीजिवानकोजग्गसमुक्त
हजुक्तउहोत्तन्जगवत्तीजग्गविहीननराउजपन्त्रषतेहोत
५८॥ तातेजगवुतीजग्गानितकीराराजमनलाए॥ मनः
वांछितफलपाएहोसवलोईकिजगमाए॥ २५९॥ सोर
ठा॥ एहसुनसुराध्यसमाध॥ फलपाएगहाविनपाकेए॥
किमजगजननराध॥ नाममन्त्रकातिएगुरु॥ २६०
रिषउवाच॥ छंदमोतीदाम॥ सुनानृपमनजसोउतमनो

म॥फलेतिहितैमनसासवकाम॥श्रीभवानीभवार
नीभवानीउचार॥सोश्रागमवेदपुरानकोसार॥६१॥
श्रीभवानीकेनामतेंश्रोरनमंत्र॥श्रीभवानीकेना
मतेंश्रोरनजंत्र॥श्रीभवानीकेनामतेंश्रोरनेध्या
न॥श्रीभवानीकेनामतेंश्रोरनगयान॥६२॥श्रीभ
वानीकेनामतेंश्रोरनदेव॥श्रीभवानीकेनामतेंश्रो
रनेनेम॥श्रीभवानीकेनामतेंश्रोरनजाप॥श्रीभ
वानीकेनामतेंश्रोरनपाप॥६३॥श्रीभवानीकोना
मसजीवनमूर॥हरैभवरोगकोदूषदूर॥श्रीभवा

नीकोनावफलनफलचार॥ होचितामनईष्टकपार
२६४॥ श्रीजवानीकोनामतेपूरनजाप॥ जेयाविधावि
त्तसहासिवकजाप॥ पहीहरिधरकेनृपराय॥ श्रीज
वानीजवानीरहीलोलाय॥ २६५॥ दोहा॥ पहासिघस
नसुषपायकाउगारसुरथसमाध॥ नदीतीरकाथित
जपेश्रीजवानव्रतसाध॥ २६६॥ छपय॥ नदीतीरावि
ववीरष्यापमृतमयश्रीमूरत॥ पूजससचाफलनफल
चित्तधरसुहासूरत॥ ईकटकाहिघृतनगापईष्टचरनन
चितचरचत॥ श्रीजवानईतवानजपततनितप्रत्नति

तसरसत॥ तनन्नृषेनेप्पासनेन्नासन्नपसिंघवाघगुंजतनि॰
कट॥ ईमतीनवर्षन्नितेदषकारसो ुहयपप्रसंन्यन्कोंवाप्रगट॥२६७
दोहा॥ प्रगटकहीपरमेसरीमागनृपतवरदान॥सुनपाईनृप
प्रेमसोविनयकियोपरवान॥२६८॥राजउवाच॥सुंदरी॰
छंद॥देवअन्नवरमोहन्नपभंजनु॥नृपरणजीतकोरान्नु॰
पन्नंजनु॥मारसवैसकासत्रुनगंजहु॥राजलहुपरवारहन्नै
टहु॥२६९॥ईसुरीवाच॥राजलहुनृपसत्रुनगंजहु॥जो
पामिलोन्कोपनकुलमाअहु॥न्कोतमनतरकोपहुपावहु॥
सुराजपुत्रसोविनकहाअहु॥२७०॥तोटकछंद॥ईलनोसु॰

नजूपतपांयपरे॥ मनतेंज्ञघकेघकोजसरे॥ पुनवांनिपोंसों
जगमातकही॥ चरमागसमाधसोहवसहौ॥७१॥ छपय॥ मु
नसमाधकियाविलपसुनहुजननीजगवंदन॥ जगज्ञसारन्नृ
मसकरनकहामांगहसुरवंदन॥ स्वामोहविषपानमोहसुपय
नृमछुटहि॥ जनममरनजुवांमिटहकारमेवधनहुषटूटहि॥
निजजनकप्रमज्ञानसम्हारहुसहातुम्हरमान॥ उरओरल
मउपजनहिंसोज्ञानहिंदनाचततुप्रचान॥७२॥ इतुरी
वाच॥ सोरठा॥ होयतोहविषपानमोहचतकमायाकटे॥ व
सेहृदयममध्यान॥ जीवनमुक्तसमाधतुय॥७३॥ तोटक

छंद॥ पोंकहतकेंजनसोंजयवानी॥ अंतरआनिनलईजि
गानी॥ सिधन्नपोसोसमाधप्रबीना॥ ग्यानबठोमनध्या
नलिलीना॥ राजगयेआपनेधरकाजा॥ सज्जनजीत्तजेप्रमह
राजा॥ हैसप्रतिधकीपहवांनी॥ पूजेसेवेजन अहूनवा
नी॥ २७४॥ दोहा॥ ईहीविधसुरतसमाधकहवरहीनलो
जगमांय॥ राइलपुरवनकारतांजगतजसछाय॥ जगतजी
वजनअयनसकलपकासिसवव्याप॥ ओजवानकोलक
तेंवाढोसबेप्रताप॥ ७६॥ छंद॥ ब्रम्हाविस्नरूद्र
चंद्रादिकदेवदेहकीटहूपतंगभृंगअंगइतियापहे॥ स

बकेसरीपुंचन्दनतिकप्रपंचजानसबहींमेंब्यात्तमोंसमात
पुनब्यापुते॥ दोषपअतछान्नीनकानीम्छिनन्पतिनप्रकोसि
एमोरएकेकोटिपगुचापे॥ औसीजतालकत्तहातेसीसताः
बिहूमानयतश्रीन्भवानीजूकोम्लतकोप्रतापहै॥ ७७
दोहा॥ सुरनरमुनगंधर्वसबजानबकजतकबषान॥ तिहूलो
कातीतिहिकालसुनहीताअपेकनवान॥ ७८॥ मदनमोहन
छंद॥ ईसतकाब्रह्मनपविस्वकातोईसतकाविस्नपजापाः
लनजानी॥ ईसतकासेसहिचनपपूरतापीईसतकारुद्रपलेषा
तधानी॥ ईसतकाचंद्रहीहोछिपाजोतछांहींईसतकजोनें

प्रनासुरुप्रमानी ॥ ज्ञानंमेंजनंनेंहृघतासतकुजानेंतिहुलो
कमेंएककहातान्नवानी ॥ २७९ ॥ जेजोसिघसाघमुनिंद्रा
ज्ञानघेंजनहेंरिघासिघीफुरासिघवानी ॥ जेजोराजेरानेफु
रेराजाविद्याजोरंजुघुजातांविजेराजधानी ॥ जेजेजनकोजो
गीजनहेमुक्तमुक्ताकिवतेकारजेचेहेवाकसवानी ॥ ज्ञा
नेंमेंजनेंसर्वहासवपूरासबेविरवमेंएककहातान्नवानी ॥
२८० ॥ जेजेसारहाजेजनहेबुघायेद्यागनेसेंतजूलजूनेंहट
सिघघानी ॥ जेजाविज्नकोतलजनहेमुक्तज्ञोलाविन्नोसुः
छमीकेजनजेजश्रजानो ॥ जितेहृसतान्नसतताकोविचारो

फल्लजोंनिजामेंसोहैतासुहानी॥ ग्यानवानमेंएकको
एकहोतासहासर्वहासर्वहोताजानवानी॥ ८१॥ सहासर्व
होतासदासर्वकरतासहासर्वरूपाकोहैवेदवानी॥ तेग्या
ईतेग्यातकोहैमधनाहीहैग्यातासवलोककोलोकरा
नी॥ हरिसेन्मुखमनकोरत्नकाजाकीघरेध्यानजोगीजि
पेसिधरूपानी॥ ग्यानवानमेंजोरहेजुताकोरूपाकोहेजो
निजासोंवहीहैजवानी॥ ८२॥ दोहा॥ गुप्तहोहीपर
गटहोहीनिकटवसेहीग्यादूर॥ श्रीजवानतजग्यान
विषेरहासर्वजापर॥ ८३॥ जोजीहैसोतनजजस

ताकोंतत्तांप्रतिष्ठ॥ननुज्ञानव्यापकसत्तानिजश्री
नवांनसुन्नलछ॥२८४॥श्रीन्निवानसुन्नलछमी
परमउत्तमांजान॥ताकोउत्तमचरित्रयहजाशास्त्र
नेन्पवषांन॥२८५॥जोयहउतमचरित्रकोपठेसु
नेमनलाय॥मनवांछितफलदेयतिलीश्रीन्निवान
जगमाय॥२८६॥इतिश्रीमंनुतेइवीमहात्मं
मेनेउत्तमचरित्रभाषाज्ञानंन्यकृतसंपूर्णं
सुन्नंमंगलंददात॥मितीमाघसुक्लद्वितीयायां

वेन्नोमवासे॥ श्रीसंवत १९३०॥ मुकाम मोजे वा
ज़ली जिला॥ नरसिंघपूर॥ दः श्रीविकसीसेवल
लसिंह ठाकुर॥ श्रीभगवतीदुर्गादेवैनमः सिवरु
सिवसंन्नू श्रीमलादेवसंन्नू ॐ रामरामरामराम